भौतिक शास्त्र एवं कृषि मौसम विज्ञान विभाग
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
कृषि मौसम सलाह सेवाएँ
(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. डी. पी. शर्मा, डी. ई. एस., सस्य विज्ञान डॉ. अनय रावत, फल विज्ञान –डॉ. रीना नायर, सब्जी विज्ञान – डॉ. प्रियंका दुबे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आशीष गुप्ता, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. अनिल सिंदे

वर्ष–2021	अंक–84	दिनांक 08 से 12 दिसम्बर 2021	दिनांकः 07.12..2021

(जिला जबलपुर के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं मौसम केन्द्र भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से जारी)

आगामी पॉच दिनो का मौसम पूर्वानुमानः–

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान में घने बादल रहने एवं हल्की वर्षा होने की संभावना है। हवा 6.8 से 9.3 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर–पूर्व दिशा से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 27.0 से 28.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 11.0–14.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

मौसमी तत्व /दिनाँक	08/12/2021	09/12/2021	10/12/2021	11/12/2021	12/12/2021
वर्षा (मि.मी.)	0	0	2	0	0
अधिकतम तापमान (डि.से.)	26	27	27	27	28
न्यूनतम तापमान (डि़.से.)	14	13	13	11	11
आपेक्षित आद्रता (सुबह)	74	77	81	75	70
आपेक्षित आद्रता (शाम)	40	42	51	40	32
हवा की गति (कि.मी./घण्टा)	9.9	9.3	8.4	7.3	6.8
हवा की दिशा	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व
बादलों की स्थिति	साफ	हल्के	घने	साफ	साफ

मौसम आधारित साप्ताहिक कृषि परामर्श दिनांक 08 से 12 दिसम्बर 2021

सामान्य सलाह	• आने वाले पॉच दिनों में जबलपुर जिलें में एक दिन घने वादल एवं बूँदाबांदी होने की सम्भावना है।
मटर (बनस्पतिक अवस्था)	• खेतों में कीट के लिए निगरानी करें। • जड़ सड़न से बचाव हेतु पायथियम या रिडोमिल नामक दबा 300–400 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से प्रयोग करें ।
धान	• पकी हुई धान की कटाई करें तथा अवशेष (पराली) को न जलायें। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डिकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल प्रति हैक्टेयर किया जा सकता है।
सरसों	• समय पर बोई गई सरसों की फसल में विरलीकरण का कार्य करें। दिन एवं रात के तापमान में अंतराल कमी होने से रतुआ रोग के लक्षण की निगरानी करें।
गेहूँ	**गेहूँ की उन्नत किस्मों की वुआई हेतु :– खेत की तैयारी करें।** **सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने पर गेहूँ की बुवाई बीजोपचार उपरांत करें।** किसान भाई, गेहूँ की उन्नत किस्में कुछ इस प्रकार हैः **अ. मध्यम पकने वालीः–** (सिंचित किस्मे) – जी. डब्ल्यू– 322, जे. डब्ल्यू 3211, जे. डब्ल्यू 3020, जे. डब्ल्यू 3382, जे. डब्ल्यू 3352, एच. आई. 1544, तेजस, एच. आई. 8759, डी.डी डब्ल्यू. 47, जी. डब्ल्यू– 451 **ब. देर से पकने वाली–** (असिंचित किस्में) – सुजाता, सी–306, एच. आई. 1531, एच. आई. 3288, **स. 1–2 पानी वाली किस्में**– जे. डब्ल्यू 3173, जे. डब्ल्यू 3020, • समय पर बोए गये गेहूँ की फसल में सी. आर. आई अवस्था (20 से 25 दिन) में सिंचाई करें। • अंकुरण के 20 से 25 दिन में खपतवारनशी सल्फोसल्फयूरान 25 ग्रा. एवं मेटसल्फयूरान 10 ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें अथवा क्लोडिनोफास प्रोपारगिल 60 ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
चना	• चने की फसल में निदाई गुड़ई का कार्य करें। वातावरण में परिवर्तन के आधार पर कीट की निगरानी करें। • कतार में बोई गई चने की फसल में अन्तः कर्षण किया या व्हील हो चलाकर खरपतवारों को नष्ट करें एवं जड़ों में वायु का संचार बढ़ायें। कीटों का निरीक्षण करते रहें।
फलदार वृक्ष	• वृक्षों के आसपास नींदा नियंत्रण करें एवं अनुशंसित खाद एवं उर्वरकों का उपयोग करें।
सब्जियां	• वर्तमान मौसम प्याज की बुवाई के लिए अनुकूल है । बीज दर 10 कि. ग्रा. प्रति हैक्टर । बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 5 ग्राम प्रति कि. ग्रा. बीज की दर से उपचार अवश्य करें। गोबर की खाद का अवश्य उपयोग करें। • भिंडी की फसल में पीत शिरा रोग के लक्षण दिखना प्रारंभ हो गये है यह वायरस जन्य रोग है। अतः इसकी रोकथाम के लिए क्लोरोपायरीफोस 2.5 मिली/लीटर का छिड़काव करें। • इस मौसम में किसान अपने खेतों की नियमित निगरानी करें। यदि फसलों व सब्जियों में सफेद मक्खी या चूसक कीटों का प्रकोप दिखाई दें तो इमिडाक्लोप्रिड दवाई 1.0 मि. ली. प्रति 3 लीटर पानी में मिलाकर छिड़-काव आसमान साफ होने पर सुबह या शाम को करें। • मिर्च तथा टमाटर के खेतों में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दें। यदि प्रकोप अधिक है तो पायेमेट्राजीन 50% डब्लूजी @ 300ग्रम/हे. की दर से छिड़काव आसमान साफ होने पर करें ।
पशु एवं मुर्गी पालन	• जानवरों को हरे चारे हेतु बरसीम की बुवाई करें। • आसमान में बादल रहने पर मुर्गी घरों में प्रकाश की अवधि बढ़ाएँ ताकि अण्डा उत्पादन में गिरावट न हो।

नोडल आफीसर

दिनांकः 07 दिसम्बर 2021